



मध्य प्रदेश: GCC नीति 2025

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश ने देश की पहली समर्पित **वैश्विक क्षमता केंद्र (GCC) नीति** शुरू की है, जिसका उद्देश्य राज्य को वैश्विक नवाचार और सहयोग के लिये एक अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

मुख्य बंदी

- मध्य प्रदेश GCC नीति 2025
 - मध्य प्रदेश GCC नीति 2025 में पूंजीगत व्यय, वेतन, कौशल उन्नयन और अनुसंधान एवं विकास के लिये प्रोत्साहनों को एकीकृत किया गया है।
 - एक समर्पित नोडल एजेंसी, मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड (MPSeDC), नीति कार्यान्वयन की देखरेख करेगी।
- लक्ष्यित क्षेत्र और रणनीतिक फोकस:
 - यह नीति IT, वित्त, इंजीनियरिंग, मानव संसाधन और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित प्रमुख क्षेत्रों को लक्षित करती है।
 - डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिये **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** और **साइबर सुरक्षा** पर विशेष जोर दिया गया है।
- व्यवसाय केंद्रों का विकेंद्रीकरण:
 - यह टयोर-2 शहरों में GCC विकास को बढ़ावा देने के लिये भारत का पहला समर्पित ढाँचा है।
 - इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक मेट्रो शहरों से परे व्यापार केंद्रों को स्थानांतरित करना तथा क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।
 - इस नीति का उद्देश्य 50 से अधिक GCC को आकर्षित करना तथा 37,000 से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियाँ सृजित करना है।
 - इसका उद्देश्य मध्य प्रदेश को IT/ITeS, उन्नत विश्लेषण, अनुसंधान एवं विकास तथा डिजिटल परिवर्तन के लिये उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित करना है।
- विदेशी निवेश और औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र:
 - यह नीति विभिन्न उद्योगों में विदेशी निवेश और बुनियादी ढाँचे के विकास को सुवर्धित बनाती है।
 - इस नीति का अनावरण भोपाल में द्विवार्षिक **वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन** से पहले किया गया।
- आधारभूत संरचना:
 - मध्य प्रदेश में पाँच **विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ)**, 15 से अधिक IT पार्क और 150 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और वनरिमाण (ESDM) इकाइयाँ हैं।
 - प्रमुख IT केंद्रों में इंदौर, भोपाल और जबलपुर शामिल हैं, जहाँ **नॉलेज सिटी** और **इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर 2.0** जैसी परियोजनाएँ भी प्रस्तावित हैं।
 - **ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग (2023)** में चौथे स्थान पर, मध्य प्रदेश सुव्यवस्थित नियामक प्रक्रियाओं और **निवेशक-अनुकूल नीतियों** को सुनिश्चित करता है।
- नीति कार्यान्वयन और शासन:
 - MPSeDC नीति कार्यान्वयन के लिये **नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है।**
 - एक समर्पित **नीति कार्यान्वयन इकाई (PIU)** परियोजना अनुमोदन, प्रोत्साहन आवंटन और अनुपालन निगरानी का प्रबंधन करेगी।
 - नवाचार को बढ़ावा देने और वैश्विक तकनीकी केंद्रों को आकर्षित करने के माध्यम से, मध्य प्रदेश **2030 तक 110 बिलियन अमेरिकी डॉलर के GCC बाज़ार के भारत के दृष्टिकोण में योगदान देता है।**

वैश्विक क्षमता केंद्र (GCC)

- परिचय:
 - वैश्विक क्षमता केंद्र (GCC), जिन्हें वैश्विक इन-हाउस केंद्र (GIC) के रूप में भी जाना जाता है, विश्वभर के देशों में **बहुराष्ट्रीय निगमों (MNC)** द्वारा स्थापित रणनीतिक चौकियाँ हैं।
 - वैश्विक कॉर्पोरेट ढाँचे के भीतर आंतरिक संस्थाओं के रूप में कार्य करते हुए, ये केंद्र IT सेवाएँ, अनुसंधान और विकास, ग्राहक सहायता और विभिन्न अन्य व्यावसायिक कार्यों सहित **विशिष्ट क्षमताएँ प्रदान करते हैं।**

■ **GCC के उदाहरण:**

- जनरल इलेक्ट्रिक (GI) का बेंगलुरु में एक बड़ा GCC है, जो वमिनन और स्वास्थ्य सेवा व्यवसायों के लिये अनुसंधान एवं विकास तथा इंजीनियरिंग पर केंद्रित है।
- नेस्ले ने **स्वटिज़रलैंड के लुसान** में एक GCC की स्थापना की है, जो इसके खाद्य और पेय ब्रांडों के लिये उत्पाद विकास और नवाचार के लिये समर्पित है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/madhya-pradesh-gcc-policy-2025>

